ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

विषय – हिन्दी कक्षा – आठ ASSIGNMENT दिसंबर 2018–19

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

अनुशासन मानव जीवन में व्यवस्था का वातावरण बनाता है। जो मानव इसे स्वीकार नहीं करता, उसे अपने मन की चंचलता को दबाने में असफलता ही मिलती है और उसी के कारण वह अपना अध्ययन भी सुचारु रूप से पूर्ण नहीं कर पाता। वास्तव में अनुशासन ही वह औषधि है जिसे पाकर पठन -पाठन में आनंद आने लगता है और परीक्षाओं में अच्छी सफलता मिलती है। इसके अलावा इससे दैनिक जीवन में भी व्यवस्था आ जाती है। इससे अनेक गुणों का विकास होता है। कार्य करने में नियमितता आ जाती है। कर्त्तव्य और अधिकार का समुचित ज्ञान हो जाता है। यह तो ऐसा गुण है जिससे मानव सबसे अधिक प्रिय बन जाता है। सच तो यह है कि अनुशासन ही जीवन है।

क) मानव जीवन में अनुशासन क्यों आवश्यक है?

ख) अनुशासन के बिना मानव को क्या हानि होती है?

ग) अनुशासन को औषधि क्यों कहा गया है?

प्रश्न 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर दें ।

(क) 'उस दिन रात्रि में बिलवासी जी को देर तक नींद नहीं आई।' समस्या झाऊलाल की थी और नींद बिलवासी की उड़ी, क्यों?

(ख) 'अकबरी लोटा' कहानी में जहाँगीर अंडे का विवरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) अंग्रेज़ के मित्र का क्या नाम था?

(घ) लाला झाऊलाल ने अपने मित्र से क्या सहायता माँगी और क्यों?

(ङ) विदेशी पर्यटकों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है? पाठ 'अकबरी लोटा' के आधार पर बताइए।

(च) सूरदास पद के प्रथम पद का भाव अपने शब्दों में लिखें।

प्रश्न 3 'मन के हारे हार हैं मन के जीते जीत' इस विषय पर 80 से 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।